



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 481] नई दिल्ली, गुरुवारीवार, नवम्बर 26, 1992/अग्रहायण 5, 1914
No. 481] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 26, 1992/AGRAHAYANA 5, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1992

सायकर

सा. का. नि. 896(अ) :— केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समायोजित है कि वे वे व्यक्ति के पास में जो भारतीय कम्पनी हैं, उनके साथ केन्द्रीय सरकार या किसी ऐसे कारोबार में जो व्यक्ति तैयारी के पूर्वाग्रह या निष्कर्षण या उद्धार के लिए हैं, उस सरकार के या उस सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति के सहयोग या नागोशरी के लिए कोई करार किया है, सायकर के संबंध में वर को कम किया जाए,

यदि प्रत्येक, केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 293क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपबन्ध करती है कि—

(क) जहां किसी ऐसे व्यक्ति का कुल आय ऐसे कारखाने से अधिप्राप्त लाभों और अभिलेखों में ही मिलकर बनता है, वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा उसकी कुल आय पर वेब कर, ऐसी आय के 50 प्रतिशत की दर से ऐसी कुल आय पर परिकल्पित आयकर को रकम होगी, ऐसी आय पर संय के लिए कोई अधिभार उद्घोषित नहीं किया जाएगा ;

(ख) जहां ऐसे व्यक्ति की कुल आय के अंतर्गत ऐसी लाभ और अभिलेख हैं, वहां उसकी कुल आय पर उसके द्वारा संवेध कर निम्न प्रकार होगा

(i) खंड (क) के उपबन्धों के अनुसार कुल आय में सम्मिलित उन खंड में निर्दिष्ट लाभों और अभिलेखों पर उसके द्वारा संवेध कुल आय-कर ;

(ii) कुल आय का रकम पर उस आय-कर का दर से, जो कुल आय को लागू होता है, यदि खंड (क) का उपबन्ध लागू नहीं किया गया होता तो, परिकल्पित आय-कर का रकम, जिससे से उक्त खंड में निर्दिष्ट लाभों और अभिलेखों का रकम घटा दो गई हो, और जो किसी अधिभार द्वारा इस खंड के अंतर्गत संवेध आय-कर का रकम पर सुसंगत निर्धारण वर्ष के वित्त अधिनियम में उद्घोषित पर से बढ़ाई गई हो।

संश्लेषण : इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए,

(क) "भारतीय कम्पनी" का वही अर्थ होगा जो उसका आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 की उपधारा (26) में है ;

(ख) "खनिज तेल" के अन्तर्गत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस हैं।

[का. सं. 467/9/92 - एफ टी बी]

टी. एस. कृष्णमूर्ति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th November, 1992

INCOME-TAX

G.S.R. 896(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient so to do in the public interest to make reduction in the rate in respect of income-tax in favour of any person, being an Indian company, with whom the Central Government has entered into an agreement for the association or participation of that Government or any person authorised by that Government in any business consisting of the prospecting for or extraction or production of mineral oils ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 293A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby provides that—

- (a) where the total income of any such person consists only of profits and gains derived from such business, the tax payable by such person on his total income shall be the amount of income-tax calculated on such total income at the rate of fifty per cent of such income ; no surcharge for the Union is to be levied on such income ;
- (b) where the total income of such person includes such profits and gains, the tax payable by him in his total income shall be—
 - (i) the aggregate of the income-tax payable by him in accordance with the provisions of Clause (a) on the profits and gains referred to in that clause included in the total income ; plus
 - (ii) the amount of income-tax calculated on the amount of total income as reduced by the amount of profits and gains referred to in Clause (a), at the rate of income-tax which would have been applicable to the total income, if the provision of the said clause had not applied, increased by a surcharge at the rate provided in the Finance Act of the relevant assessment year on the amount of income-tax payable under this clause.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (a) “Indian company” shall have the meaning assigned to it in sub-section (25) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ;
- (b) “mineral oil” includes petroleum and natural gas.

[F. No. 467/9/92-FTD]

T. S. KRISHNA MURTHY, Jt. Secy.

